(c) the steps taken and being taken thereon?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF DEFENCE (DEPARTMENT OF DEFENCE AND DEPTT. OF DEFENCE RESEARCH & DEVELOPMENT (SHRI MALLIKARJUN): (a) to (c) Modernisation of the Indian Air Force is an on going process and the underlying theme is to have a 'lean and mean' force. Accordingly, efforts are made to modernise the IAF by induction of combat aircraft and weapon systems with improved technology to replace old assets and by undertaking suitable midlife upgrade to enhance mission effectiveness of existing assets. The IAF also adopts a very strict training pattern to ensured a smooth transition of trainee pilots on to front line squadrons of fighter, transport and helicopter fleets.

सौराष्ट्र-कच्छ क्षेत्र में गैर-पारंपरिक ऊर्जा स्त्रोतों के माध्यम से विद्युत उत्पादन

468. श्री गोपाल सिंह जी० सोलंकी: क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) सौराष्ट्र-कच्छ क्षेत्र में गैर-पारंपरिक ऊर्जा स्त्रोतों से विद्युत का उत्पादन करने के लिए अब तक क्या कदम उठाए गए हैं;

(ख) उनका क्या ब्यौरा है;

(ग) गत तीन वर्षों के दौरान इस क्षेत्र को वर्षवार कितनी धनराशि दी गई है और इस संबंध में अब तक क्या उपलब्धियां प्राप्त हुई हैं;

(घ) उनका वर्षवार जिलावार ब्यौरा क्या है; और

(ङ) इस संबंध में आठवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान क्या लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं?

गैरपारंपरिक ऊर्जा स्रोत मंत्रालय में राज्य मंत्री (प्रो० पी० जे० कुरियन): (क) और (ख) केन्द्रीय तथा राज्य सरकार द्वारा सौराष्ट्र-कच्छ क्षेत्र सहित गुजरात राज्य में अपारंपरिक ऊर्जा स्त्रोतों से विद्युत परियोजनाएं स्थापित करने के लिए विभिन्न राजकोषीय तथा वित्तीय प्रोत्साहन दिए जा रहे हैं। गुजरात सरकार ने भी अपरंपरिक ऊर्जा स्त्रोतों से विद्युत के लिए अपनी नीति की घोषणा की है, जिसमें ऐसी विद्युत की व्हीलिंग, बैंकिंग तथा वापस खरीद सुविधाएं सम्मिलित हैं।

गुजरात राज्य में 77 मे०वा० से अधिक क्षमता की पवन विद्युत परियोजनाएं स्थापित की गई हैं। पवन ऊर्जा उत्पादन के लिए 16 उपयुक्त स्थलों की पहचान की गई है जो अधिकतर सौराष्ट्र-कच्छ क्षेत्र में हैं। क्षेत्र में 500 कि०वा० क्षमता मिड़ जुड़ी बायोमास गैसफायर आधारित विद्युत परियोजना आरंभ की गई है। इसके अतिरिक्त विकेन्द्रीकृत मैकेनिकल, विद्युत तथा तापीय अनुप्रयोगी के लिए लगभग 1485 कि०वा० क्षमता के बराबर बायोमास गैसीफायरों की स्थापना की जा रही है। केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण द्वारा कच्छ की खाड़ी में 900 मे०वा० ज्वारीय विद्युत परियोजना के लिए एक तकनीक-आर्थिक सम्भाव्यता रिपोर्ट तैयार की गई थी। परियोजना के लिए प्रौद्योगिकी प्रस्ताव मांगे गए थे तथा 6 प्राप्त हो चुके हैं।

(ग) और (घ) अपारंपरिक ऊर्जा स्त्रोतों से विद्युत उत्पादन के लिए क्षेत्रवार तथा जिलावार कोई धनराशि नहीं दी जाती है। फिर भी पिछले तीन वर्षों के दौरान पवन विद्युत तथा बायोमास गैसीफायर परियोजनाओं के लिए गुजरात राज्य को निम्नलिखित निर्मुक्तियां की गई है।

रुपये लाखों में

1992-93	1993-94	1994-95
18.00	105.49	13.74

(ङ) आठवीं पंचवर्षीय योजना अवधि के दौरान अपारंपरिक ऊर्जा स्त्रोतों से विद्युत उत्पादन के लिए राज्यवार वास्तविक या वित्तीय लक्ष्य नियत नहीं किए गए हैं।

Controversial Post of AIIMS Chairman

469. SHRI ASHOK MITRA: Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to state:

(a) whether the activities of the All India Institute of Medical Sciences have been adversely affected because of the continuance of the former Minister of